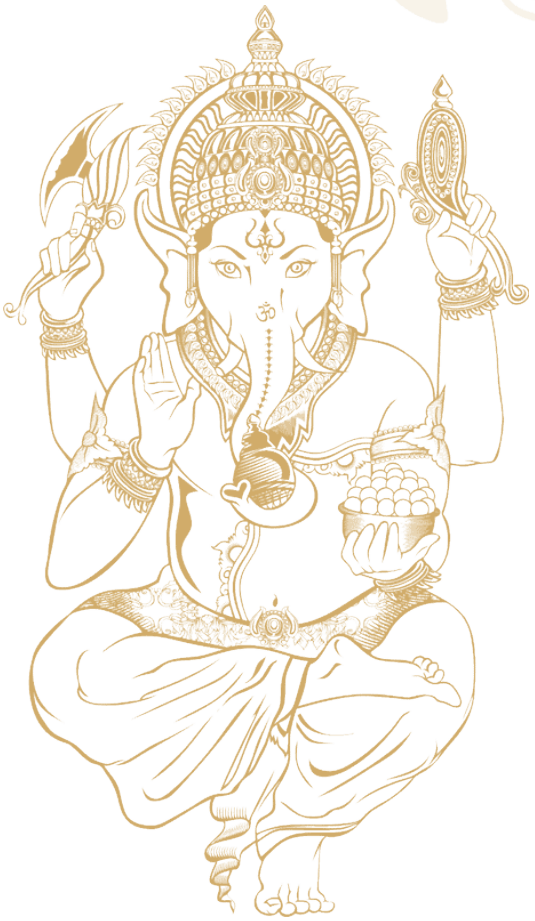

Mr. Aprna

13 Jan 1984

04:05 AM

Kullu

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120836914

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
12-13/01/1984	जन्म तिथि	**12/01/2026**
गुरु-शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 04:05:00	जन्म समय	22:48:36 घंटे
घटी 51:44:39	जन्म समय(घटी)	38:33:52 घटी
India	देश	India
Kullu	स्थान	Kullu
उत्तर 31:58:00	अक्षांश	31:58:00 उत्तर
पूर्व 77:06:00	रेखांश	77:06:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:36	स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:23:08	सूर्योदय	07:23:03
17:37:11	सूर्यास्त	17:37:03
23:37:47	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:21

वृश्चिक	लग्न	कन्या
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मेष	राशि	तुला
मंगल	राशि-स्वामी	शुक्र
भरणी	नक्षत्र	विशाखा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
1	चरण	1
साध्य	योग	शूल
कौलव	करण	वणिज
ली-लीलाधर	जन्म नामाक्षर	ती-तीप्ति
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
गज	योनि	व्याघ्र
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	सर्प
42	गत/तत्कालिक वर्ष	43

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
अनुराधा	3	11:44:38	वृश्चि		
उत्तराषाढ़ा	1	28:17:20	धनु		
भरणी	1	15:46:05	मेष		
स्वाति	1	07:17:49	तुला		
मूल	3	07:00:28	धनु		
मूल	2	04:55:36	धनु		
ज्येष्ठा	2	20:42:25	वृश्चि		
विशाखा	1	21:13:42	तुला		
रोहिणी	4	21:42:11	वृष		
ज्येष्ठा	2	21:42:11	वृश्चि		
ज्येष्ठा	1	18:08:46	वृश्चि		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			कन्या	04:53:24	3	उ०फाल्गुनी
सूर्य			धनु	28:17:20	1	उत्तराषाढ़ा
चंद्र			तुला	20:51:03	1	विशाखा
मंगल		अ	धनु	27:29:35	1	उत्तराषाढ़ा
बुध		अ	धनु	22:44:13	3	पूर्वाषाढ़ा
गुरु	व		मिथु	25:34:02	2	पुनर्वसु
शुक्र		अ	धनु	29:43:48	1	उत्तराषाढ़ा
शनि			मीन	02:43:49	4	पू०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	16:02:32	3	शतभिषा
केतु	व		सिंह	16:02:32	1	पू०फाल्गुनी
मु			वृष	11:44:38	1	रोहिणी

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:21

लग्न-चलित

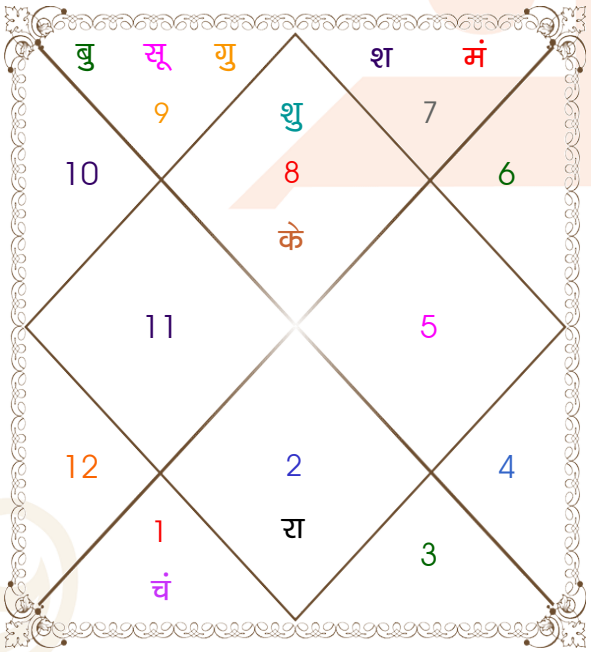

वर्ष लग्न कुंडली

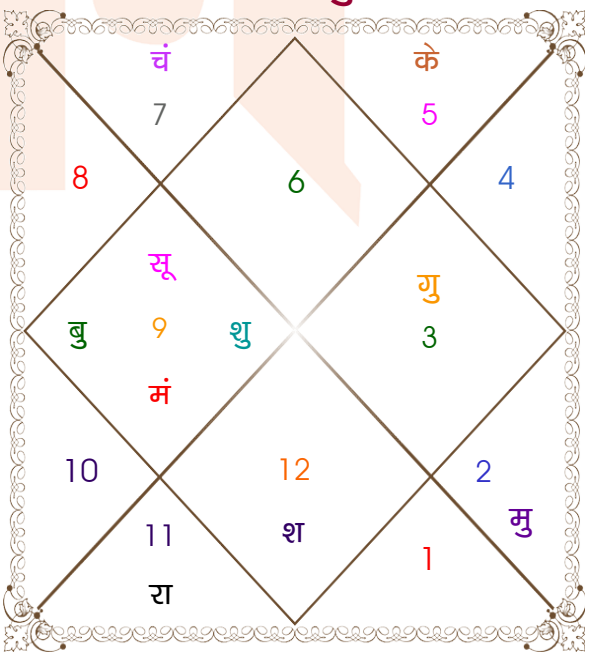

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - राहु - मंगल	
03/12/2025 13:41	
30/01/2026 02:20	
मंगल	06/12/2025 22:13
राहु	15/12/2025 13:19
गुरु	23/12/2025 05:24
शनि	01/01/2026 08:00
बुध	09/01/2026 11:36
केतु	12/01/2026 20:08
शुक्र	22/01/2026 10:14
सूर्य	25/01/2026 07:16
चंद्र	30/01/2026 02:20

राहु - गुरु - गुरु	
30/01/2026 02:20	
26/05/2026 23:27	
गुरु	14/02/2026 16:21
शनि	05/03/2026 04:29
बुध	21/03/2026 17:53
केतु	28/03/2026 13:31
शुक्र	17/04/2026 01:02
सूर्य	22/04/2026 21:17
चंद्र	02/05/2026 15:03
मंगल	09/05/2026 10:41
राहु	26/05/2026 23:27

राहु - गुरु - शनि	
26/05/2026 23:27	
12/10/2026 18:32	
शनि	17/06/2026 22:52
बुध	07/07/2026 14:46
केतु	15/07/2026 17:05
शुक्र	07/08/2026 20:16
सूर्य	14/08/2026 18:49
चंद्र	26/08/2026 08:24
मंगल	03/09/2026 10:43
राहु	24/09/2026 06:23
गुरु	12/10/2026 18:32

राहु - गुरु - बुध	
12/10/2026 18:32	
13/02/2027 22:58	
बुध	30/10/2026 08:45
केतु	06/11/2026 14:37
शुक्र	27/11/2026 07:21
सूर्य	03/12/2026 12:23
चंद्र	13/12/2026 20:45
मंगल	21/12/2026 02:36
राहु	08/01/2027 17:40
गुरु	25/01/2027 07:04
शनि	13/02/2027 22:58

राहु - गुरु - केतु	
13/02/2027 22:58	
06/04/2027 02:12	
केतु	16/02/2027 22:33
शुक्र	25/02/2027 11:06
सूर्य	28/02/2027 00:27
चंद्र	04/03/2027 06:44
मंगल	07/03/2027 06:19
राहु	14/03/2027 22:24
गुरु	21/03/2027 18:02
शनि	29/03/2027 20:21
बुध	06/04/2027 02:12

राहु - गुरु - शुक्र	
06/04/2027 02:12	
30/08/2027 04:36	
शुक्र	30/04/2027 10:36
सूर्य	07/05/2027 17:56
चंद्र	19/05/2027 22:08
मंगल	28/05/2027 10:40
राहु	19/06/2027 08:38
गुरु	08/07/2027 20:09
शनि	31/07/2027 23:20
बुध	21/08/2027 16:04
केतु	30/08/2027 04:36

राहु - गुरु - सूर्य	
30/08/2027 04:36	
13/10/2027 00:32	
सूर्य	01/09/2027 09:12
चंद्र	05/09/2027 00:52
मंगल	07/09/2027 14:13
राहु	14/09/2027 04:01
गुरु	20/09/2027 00:16
शनि	26/09/2027 22:49
बुध	03/10/2027 03:51
केतु	05/10/2027 17:12
शुक्र	13/10/2027 00:32

राहु - गुरु - चंद्र	
13/10/2027 00:32	
25/12/2027 01:44	
चंद्र	19/10/2027 02:38
मंगल	23/10/2027 08:54
राहु	03/11/2027 07:53
गुरु	13/11/2027 01:38
शनि	24/11/2027 15:14
बुध	04/12/2027 23:36
केतु	09/12/2027 05:52
शुक्र	21/12/2027 10:04
सूर्य	25/12/2027 01:44

राहु - गुरु - मंगल	
25/12/2027 01:44	
14/02/2028 04:58	
मंगल	28/12/2027 01:19
राहु	04/01/2028 17:24
गुरु	11/01/2028 13:02
शनि	19/01/2028 15:21
बुध	26/01/2028 21:12
केतु	29/01/2028 20:48
शुक्र	07/02/2028 09:20
सूर्य	09/02/2028 22:42
चंद्र	14/02/2028 04:58

राहु - गुरु - राहु	
14/02/2028 04:58	
24/06/2028 16:44	
राहु	04/03/2028 22:20
गुरु	22/03/2028 11:06
शनि	12/04/2028 06:46
बुध	30/04/2028 21:50
केतु	08/05/2028 13:55
शुक्र	30/05/2028 11:52
सूर्य	06/06/2028 01:40
चंद्र	17/06/2028 00:38
मंगल	24/06/2028 16:44

राहु - शनि - शनि	
24/06/2028 16:44	
06/12/2028 12:23	
शनि	20/07/2028 19:02
बुध	13/08/2028 03:25
केतु	22/08/2028 18:10
शुक्र	19/09/2028 05:27
सूर्य	27/09/2028 11:14
चंद्र	11/10/2028 04:52
मंगल	20/10/2028 19:37
राहु	14/11/2028 12:58
गुरु	06/12/2028 12:23

राहु - शनि - बुध	
06/12/2028 12:23	
02/05/2029 23:39	
बुध	27/12/2028 09:47
केतु	05/01/2029 00:14
शुक्र	29/01/2029 14:07
सूर्य	05/02/2029 23:05
चंद्र	18/02/2029 06:01
मंगल	26/02/2029 20:29
राहु	20/03/2029 23:22
गुरु	09/04/2029 15:16
शनि	02/05/2029 23:39

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों , बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।